भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 173
(जिसका उत्तर सोमवार, 13 मार्च, 2023/22 फाल्गुन, 1944 (शक) को दिया जाना है)

नकदी का संचलन और विमुद्रीकरण

***173. श्री उत्तम कुमार रेड्डी नालमाडा:**

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दस वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान देश के सकल घरेलू उत्पाद में संचलन में नकदी की मात्रा और उसका अनुपात कितना-कितना था;
(ख) उक्त अवधि के दौरान संचलन में रहे बैंक नोटों का मूल्य कितना था और उनकी मात्रा कितनी थी;
(ग) क्या देश में संचलन में सापेक्ष नकदी की मात्रा को कम करने के लिए 2016 में विमुद्रीकरण लागू किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो 2016 में किए गए विमुद्रीकरण का उद्देश्य क्या था;
(घ) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि देश में संचलन में नकदी की मात्रा और भ्रष्टाचार और मुद्रास्फीति के स्तर के बीच कोई संबंध है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और
(ङ) देश में संचलन में नकदी की वृद्धि के क्या कारण हैं?

उत्तर
वित्त मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारामन)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

'नकदी का संचलन और विमुद्रीकरण' के संबंध में श्री उत्तम कुमार रेड्डी नालमाडा, माननीय संसद सदस्य द्वारा पूछे गए दिनांक 13.03.2023 को उत्तरार्थ लोक सभा तारांकित प्रश्न सं.173 के उत्तर में संदर्भित विवरण:

(क) भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्टों में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, पिछले दस वर्षों में से प्रत्येक वर्ष के लिए संचलन (सीआईसी) में मुद्रा (बैंक नोट और सिक्के) और सकल घरेलू उत्पाद में सीआईसी का अनुपात निम्नानुसार दिया गया है

वर्ष	सीआईसी मूल्य (करोड़ों में)	सीआईसी-जीडीपी अनुपात $ (%)
मार्च, 2013	11,80,100	12.0
मार्च, 2014	13,00,200	11.6
मार्च, 2015	14,48,300	11.6
मार्च, 2016	16,63,300	12.1
मार्च, 2017	13,35,200	8.7*
मार्च, 2018	18,29,318	10.7
मार्च, 2019	21,36,736	11.3
मार्च, 2020	24,47,280	12.2
मार्च, 2021	28,53,733	14.4
मार्च, 2022	31,33,691	13.7**

$: इस तालिका में उपयोग किए गए जीडीपी आंकड़े वर्ष 2011-12 के आधार पर हैं, जो नवीनतम उपलब्ध अनुमान हैं। जीडीपी वर्तमान बाजार मूल्यों पर जीडीपी को संदर्भित करता है।
*: 1 अप्रैल, 2016 के मुकाबले 31 मार्च, 2017, रिजर्व मनी (आरएम) और इसके घटकों को छोड़कर है।
**: आंकड़े 25 मार्च, 2022 से संबंधित है

(ख) भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्टों में प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, पिछले दस वर्षों के लिए संचलन में नोटों की मात्रा और मूल्य निम्नानुसार दिए गए हैं

वर्ष	मात्रा (लाख में)	मूल्य (करोड़ में)
मार्च, 2013	7,35,170	11,64,800
मार्च, 2014	7,73,300	12,82,900
मार्च, 2015	8,35,790	14,28,900
मार्च, 2016	9,02,660	16,41,500
मार्च, 2017	10,02,930	13,10,200
मार्च, 2018	10,23,951	18,03,709
मार्च, 2019	10,87,594	21,10,892
मार्च, 2020	11,59,768	24,20,975
मार्च, 2021	12,43,671	28,26,863
मार्च, 2022	13,05,326	31,05,721

(ग) सरकार का मिशन काले धन के सृजन और संचलन को कम करने और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना है। जैसा कि भारत सरकार द्वारा 08 नवंबर, 2016 को जारी राजपत्र अधिसूचना एसओ 3407 (ई) में कहा गया है, विनिर्दिष्ट बैंक नोटों की वैध मुद्रा निविदा प्रकृति को वापस लेने के उद्देश्य निम्नानुसार हैं: –

(i) विनिर्दिष्ट बैंक नोटों के जाली करेंसी नोट जो काफी हद तक संचलन में थे, की बढ़ती घटनाओं को रोकना।
(ii) बेहिसाबी धन के भंडारण के लिए उच्च मूल्य वर्ग के बैंक नोटों के उपयोग को सीमित करना।
(iii) नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार और आतंकवाद जैसी विध्वंसक गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए जाली मुद्रा के उपयोग के बढ़ते स्तर को रोकना।

(घ) मुद्रास्फीति संचलन में नकदी सहित कई कारकों से प्रभावित होती है। भारतीय रिजर्व बैंक, अपनी मौद्रिक नीति समिति के माध्यम से, मुद्रास्फीति को 2% से 6% के सीमित दायरे में रखने के लिए आवश्यक कदम उठाता है।

(ङ) प्रत्येक वर्ष मुद्रित किए जाने वाले बैंक नोटों की मात्रा और मूल्य का निर्धारण सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, मुद्रास्फीति, गंदे बैंक नोटों के प्रतिस्थापन, आरक्षित स्टॉक संबंधी आवश्यकताएं, भुगतान के गैर-नकद तरीकों में वृद्धि आदि के कारण बैंक नोटों की मांग को पूरा करने की आवश्यकता पर निर्भर करती है।

*****